पप्पू स्कूल नाय जातेन।.

हर घर में कभी अऊर 10 वे घरे में बार बार होथ।

ऐके पढय अऊर सबके बतावयं।.

कितना सारा पप्पू स्कूल नाय जातेन
घेरेसे निकलथेन तबतब अऊर जगह जाथेन।.
स्कूल गऐन तभव भी बिमारी के वजह
से घरे जल्दी आवथेन
बाकी लडिक्यन से दुगुना अनुपस्थित रहथेन।
ऐसे मे कई लडिक्यॉ फेल होथेन।
केतना आत्महत्या करतेथेन।.

पढाई में ऐकर कारण बताया बा।.

केहू के दोस्त नाय बाट्य।
केहू के स्कूल क लडिक्यॉ परेशान करथेन।.

केहूके शिक्षक क डर बा।.
केहूके शिक्षा क डर बा।.

केहूके कुछ परेसानी बा।.
केहूक होमवर्क नाय भयल बा।.

केहूके परिक्षा में नापास होवय क डर बा।.
फेल होवयके बाद पडय वाली डांट क डर बा।.
फेल होवय पे भी घरेमें प्यार मिली
तब पप्पू घरे जयहीं।.

फेल होवय पे गाली दंडा पडी
त घर काहे जाई?
पप्पू आत्महत्या ही करीहिं ।.
कवनव पप्पू के घरे महतारी बापे क झगडा बा।.
कवनव पप्पू के पापा शराबी होइहीं।.
कवनव पप्पू क केहू नाय बा।.

इसब पप्पू दिलक बिमार बाहेन।.

ऐनहनके दवा क नाही प्यार क जरुरत बा।.

ऐनहन के प्यार के साथ अपने हाथे से
पिटठीपें सहलावयके।.
ओनहनक हौसला बढवके खतिर ओन्हनसे
कह्यं फिर से पढ।.

इपप्पू फिर खडा होईहीं
पढिही, लडिही, जितिंही।.
दुनियॉ पे राज करिही।.
तब आप कहिहय
जय हो पप्पू क जय हो।.